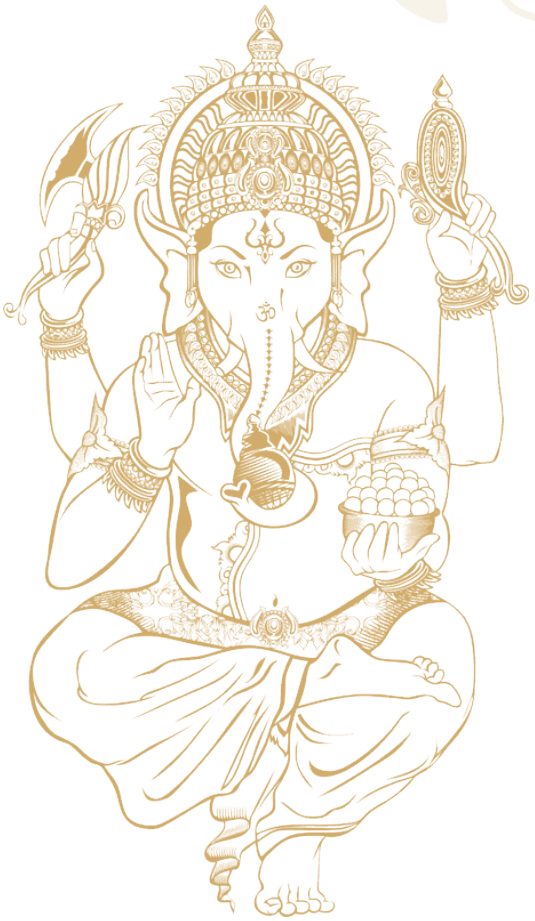

Krish Jaya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121637702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/10/2006	जन्म तिथि	27/08/2005
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:25:00	जन्म समय	23:45:00 घंटे
घटी 31:58:52	जन्म समय(घटी)	44:30:06 घटी
India	देश	India
Kangra	स्थान	Kurukshetra
32:04:00 उत्तर	अक्षांश	29:59:00 उत्तर
76:16:00 पूर्व	रेखांश	76:51:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:56	स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:27	सूर्योदय	05:56:45
17:39:58	सूर्यास्त	18:50:55
23:57:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:06

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 11मा 12दि	12:56:41	वृष	लग्न	वृष	17:52:49	मंगल 6वर्ष 10मा 24दि
शुक्र	10:03:20	तुला	सूर्य	सिंह	10:37:35	राहु
10/10/2007	11:31:18	धनु	चंद्र	वृष	23:31:19	22/07/2012
10/10/2027	08:40:23	तुला	मंगल	मेष	21:31:20	23/07/2030
शुक्र 08/02/2011	01:01:36	वृश्चि	बुध	कर्क	22:58:24	राहु 04/04/2015
सूर्य 08/02/2012	29:58:27	तुला	गुरु	कन्या	23:46:59	गुरु 28/08/2017
चन्द्र 09/10/2013	10:00:50	तुला	शुक्र	कन्या	18:37:45	शनि 04/07/2020
मंगल 09/12/2014	29:42:26	कर्क	शनि	कर्क	11:23:54	बुध 21/01/2023
राहु 09/12/2017	00:37:24	मीन व	राहु व	मीन	20:32:06	केतु 09/02/2024
गुरु 09/08/2020	00:37:24	कन्या व	केतु व	कन्या	20:32:06	शुक्र 08/02/2027
शनि 10/10/2023	17:05:17	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	15:01:21	सूर्य 03/01/2028
बुध 10/08/2026	23:04:44	मक व	नेप व	मक	21:45:37	चन्द्र 04/07/2029
केतु 10/10/2027	00:50:30	धनु	प्लूटो व	वृश्चि	27:53:53	मंगल 23/07/2030

लग्न-चलित

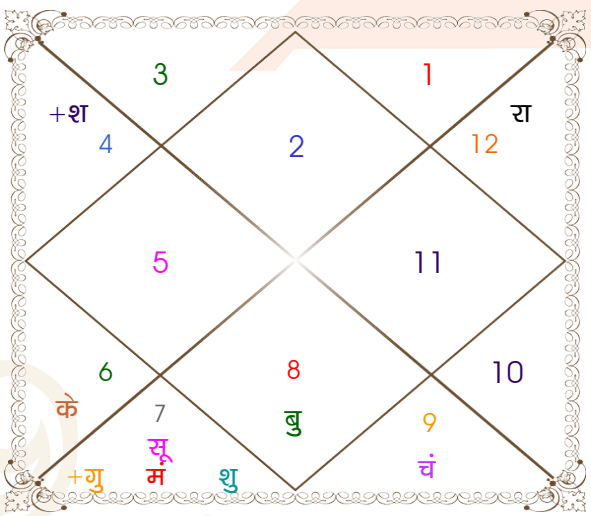

लग्न-चलित

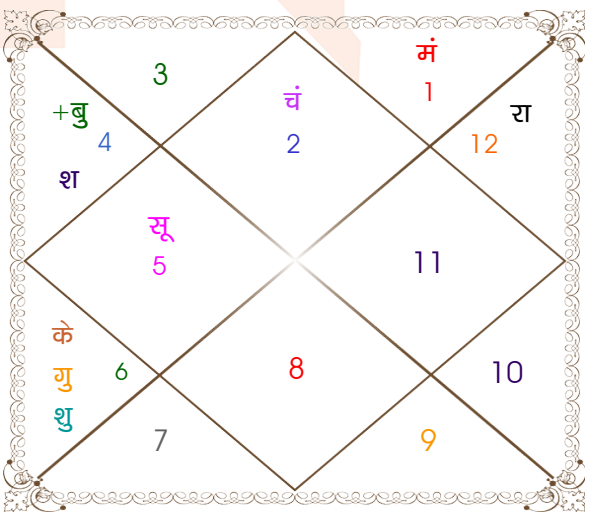

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Krish का वर्ग मूषक है तथा श्रंलं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Krish और श्रंलं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Krish मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

श्रंलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल श्रंलं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल श्रंलं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Krish कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Krish तथा श्रंलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।